

बोर्ड ने कोविड-19 टीकाकरण के प्रति आमजनकानसु

गांधी

सहभागिता एवं जागरूकता का अध्ययन

(छत्तीसगढ़ राज्य के सूरजपुर जिले के ओडगी तहसील के खोंड एवं  
केसर ग्राम के विशेष सन्दर्भ में)

श्री

एम.एस.सी. (मानव शास्त्र) चतुर्थ सेमेस्टर के पाठ्यक्रम के तहत प्रस्तुत



लघु-शोध प्रबंध

सत्र – 2020–21

शोध निर्देशिका

डॉ० रश्मि इंगले

अतिथि व्याख्याता

शोधकर्ता

रविशंकर जायसवाल

रोल नं. 21041706

एम.एस.सी. चतुर्थ सेमेस्टर

मानव शास्त्र

राजीव गांधी शासकीय (स्वशासी) स्नातकोत्तर महाविद्यालय

अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छोगो)

## प्रमाण पत्र

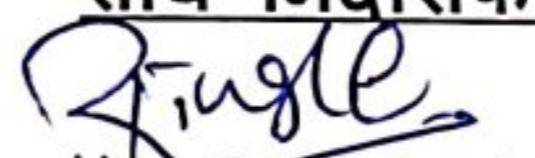
प्रमाणित किया जाता है कि एम.एससी. चतुर्थ सेमेस्टर मानवविज्ञान विभाग के छात्र रविशंकर जायसवाल ने सत्र 2020-2021 में अपना लघु-शोध प्रबंध “ग्रामीण क्षेत्रों में कोविड -19 टीकाकरण के प्रति आमजनमानस की सहभागिता एवं जागरूकता का अध्ययन”(छत्तीसगढ़ राज्य के सूरजपुर जिले के ओडगी तहसील के खोंड एवं केसर ग्राम के विशेष सन्दर्भ में)” मेरे दिशा-निर्देशन में पूर्ण किया हैं।

प्रस्तुत लागु-शोध प्रबंध छात्र के घोषणा के अनुसार एवं हमारे विश्वास के आधार पर इसके स्वयं की मौलिक रचना हैं। जिसे उसे किसी अन्य विश्वविद्यालय/महाविद्यालय में किसी भी परीक्षा की उपाधि हेतु अब तक प्रस्तुत नहीं किया हैं।

स्थान – अम्बिकापुर

दिनांक –

शोध निर्देशिका

  
डॉ. रेश्मा इंगले

(अतिथि व्याख्याता)

मानव विज्ञान विभाग

राजीव गाँधी शासकीय स्नातकोत्तर

महाविद्यालय

अम्बिकापुर, सरगुजा (छ.ग.)

## अनुक्रमाणिका

### अध्याय

### पृष्ट संख्या

अध्याय :1 प्रस्तावना

06-36

1.1 परिचय

07-34

1.2 पूर्व में किया गया अध्ययन

35-36

1.3 शोध का उद्देश्य

37-37

1.4 शोध का महत्त्व

37-37

अध्याय :2 अध्ययन क्षेत्र

38-46

अध्याय :3 अनुसंधान प्राविधि

47-51

3.1 शोध प्राविधि

48-48

3.2 शोध सामग्री

49-49

3.3 तथ्यों का संकलन

अध्याय :-04 परिणाम एंव विवरण

52-59

4.1 सामाजिक -आर्थिक स्थिति का आकलन

अध्याय :5 निष्कर्ष ,सुझाव ,सन्दर्भ ग्रन्थ एंव छायाचित्र 60-72

“टाऊ के उत्पादन, संवर्धन और वितरण का विश्लेषणात्मक अध्ययन (छत्तीसगढ़ राज्य के सरगुजा जिला के मैनपाठ के विशेष संदर्भ में)“  
**(मैनपाठ, जिला—सरगुजा के संदर्भ में)**



एम.एस.सी. चतुर्थ सेमेस्टर मुख्य परीक्षा 2020–21 में अंपूर्ति के रूप में प्रस्तुत  
लघु शोध परियोजना



#### विभागाध्यक्ष

श्रीमती ज्योति लकड़ा  
एच० ओ० डी०  
मानव विज्ञान विभाग  
राजीव गाँधी शासकीय स्नातकोत्तर  
महाविद्यालय अम्बिकापुर

#### शोध निर्देशिका

डॉ. रशिम इंगले  
अतिथि व्याख्याता  
मानव विज्ञान विभाग  
राजीव गाँधी शासकीय स्नातकोत्तर  
महाविद्यालय अम्बिकापुर

#### शोधकर्ता

तारामनी एकका  
एम.एस.सी. चतुर्थ सेमेस्टर  
राजीव गाँधी शासकीय स्नातकोत्तर  
महाविद्यालय अम्बिकापुर

#### अध्ययन केन्द्र

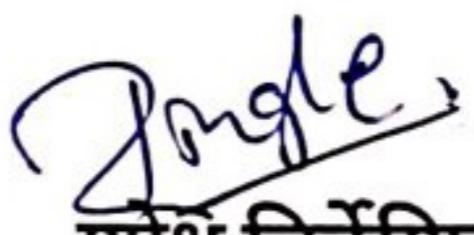
राजीव गाँधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर, सरगुजा, (छोगो)

## प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है की एम. एस. सी. चतुर्थ सेमेस्टर मानवविज्ञान विभाग के छात्रा तारामानी एकका ने सत्र 2020 - 2021 में अपना लघु- शोध प्रबंध "टाऊ के उत्पादन, संवर्धन और वितरण का विश्लेषणात्मक अध्ययन (छत्तीसगढ़ राज्य के सरगुजा जिला के मैनपाट के विशेष सन्दर्भ में)" मेरे दिशा-निर्देशन में पूर्ण किया है। प्रस्तुत लागु-शोध प्रबंध छात्रा के घोषणा के अनुसार एवं हमारे विश्वास के आधार पर इसके स्वयं की मौलिक रचना है। जिसे उसे किसी अन्य विश्वविद्यालय/ महाविद्यालय में किसी भी परीक्षा की उपाधि हेतु अब तक प्रस्तुत नहीं किया है।

स्थान - अम्बिकापुर

दिनांक - 10/04/2021

  
शोध निर्देशिका

डॉ. रश्मि इंगले (अतिथि व्याख्याता)

मानव विज्ञान विभाग राजीव गाँधी

शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय

अम्बिकापुर, सरगुजा (छ.ग)

# अनुक्रमणिका

पृष्ठ

## संख्या

### अध्याय : 1

07 - 19

1.1 प्रस्तावना	07
1.2 मैनपाट में बसाया तिब्बती शरणार्थियों को	09
1.3 मैनपाट का टाऊ...	10
1.4 सरगुजा और रायगढ़ में लगा प्रोसेसिंग यूनिट	10
1.5 सस्ता, सुलभ और आसानी से होता है उत्पादन	10
1.6 बीज की गुणवत्ता बढ़ाने वैज्ञानिकों ने की तैयारी	11
1.7 सरगुजिहा किसानों को समझ आ गया- वीरा	11
1.8 मैनपाट में टाऊ की सफेद, गुलाबी फूलों की मादक खुशबू से सैलानी आकर्षित	
12 - 14	
1.9 मैनपाट के टाऊ के आटे की दुबई मांग	14 -
15	
1.10 टाऊ के व्यंजन	15
1.11 हार्ट, शुगर, बीपी एवं कैंसर में कारगर	18
1.12 टाऊ की फसल पर टिकी उम्मीदें	18
1.13 गेहूं से दोगुना कीमत	19

### अध्याय 2 33

20 -

2.1 नामोत्पत्ति	21
2.2 इतिहास	22
2.3 भूगोल	22- 23

2.4 छत्तीसगढ़ राज्य का निर्माण	23 - 25
2.5 जिले	25
2.6 कला एवं संस्कृति	26
2.7 साहित्य	26
2.8 लोकगीत और लोकनृत्य	27
2.9 खेल	27 - 28
2.10 जातियां	28
2.11 पर्यटन स्थल	29 - 33
<b>अध्याय 3</b>	<b>34 - 49</b>
3.1 स्थिति	35
3.2 नामकरण	35
3.3 जलवायु	36
3.4 जिला प्रशासन	37
3.5 दर्शनीय स्थल	38 - 40
3.6 पुरातात्त्विक स्थल	41 - 42
3.7 धार्मिक स्थल	43 - 44
3.8 अभ्यारण्य	44 - 45
3.9 प्रसिद्ध व्यक्ति	45 - 46
3.10 कैसे पहुंचें	47 - 49
<b>अध्याय 4</b>	
निष्कर्ष	50
सुझाव	51

# जन जातियों में भौतिक संस्कृति का अध्ययन करना

(छत्तीसगढ़ राज्य के सरगुजा जिला रेवतपुर गाँव के विशेष सन्दर्भ में )

एम.एस.सी. चतुर्थ सेमेस्टर के पाठ्यक्रम के तहत प्रस्तुत



लघु-शोध प्रबंध

सत्र-2020-21

शोध निर्देशिका  
श्रीमति रश्मि इंग्ले  
अतिथि व्याख्याता

शोधकर्ता  
ज्योति जयसवाल  
रोल नं. -21041703  
एम.एस.सी. चतुर्थ सेमेस्टर

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय  
अम्बिकापुर, जिला - सरगुजा (छ.ग.)

## प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है की एम. एस. सी. चतुर्थ सेमेस्टर मानवविज्ञान विभाग के छात्रा ज्योति जयसवाल ने सत्र 2020 - 2021 में अपना लघु-शोध प्रबंध " " मेरे दिशा-निर्देशन में पूर्ण किया है। प्रस्तुत लागु-शोध प्रबंध छात्रा के घोषणा के अनुसार एवं हमारे विश्वास के आधार पर इसके स्वयं की मौलिक रचना है। जिसे उसे किसी अन्य विश्वविद्यालय/महाविद्यालय में किसी भी परीक्षा की उपाधि हेतु अब तक प्रस्तुत नहीं किया है।

स्थान - अम्बिकापुर

दिनांक - 10/04/2021

**शोध निर्देशिका**

डॉ. रश्मि इंगले

(अतिथि व्याख्याता)

मानव विज्ञान विभाग

राजीव गाँधी शासकीय

स्नातकोत्तर महाविद्यालय

अम्बिकापुर, सरगुजा (छ.ग)

## अनुक्रमणिका

अध्याय	शीर्षक	पृष्ठ संख्या
01	प्रस्तावना	
02	राज्य परिचय	
03	जिला परिचय	
04	निष्कर्ष & सुझाव	

संस्कृति और विरासत

“किंद्रि एवं कुट्टबाल स्कूलाडियों का विभिन्न मानवशास्त्रीय मांगदङों के आधार पर”

## तुलनात्मक अध्ययन

(छत्तीसगढ़ राज्य के अम्बिकापुर, गांधी स्टेडियम के विशेष सन्दर्भ में)

एम.एस.सी. चतुर्थ सेमेस्टर के पाठ्यक्रम के तहत प्रस्तुत



## लघु-शोध प्रबंध

सत्र – 2020–21

शोध निर्देशिका

डॉ० रशिम इंगले  
अतिथि व्याख्याता

शोधकर्ता

शुभम पोददार  
रोल नं. 21041707  
एम.एस.सी. चतुर्थ सेमेस्टर

राजीव गांधी शासकीय (स्वशासी) स्नातकोत्तर महाविद्यालय

अम्बिकापुर, जिला—सरगुजा (छोगो)

## प्रमाण पत्र

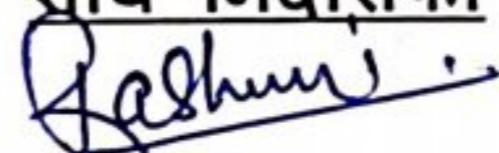
प्रमाणित किया जाता है कि एम.एस.सी. चतुर्थ सेमेस्टर मानवविज्ञान विभाग के छात्र शुभम् कुमार पोद्दार ने सत्र 2020-2021 में अपना लघु-शोध प्रबंध “क्रिकेट एवं फुटबॉल खिलाड़ियों का विभिन्न मानवशास्त्रीय मापदंडों के आधार पर तुलनात्मक अध्ययन (छत्तीसगढ़ राज्य के अम्बिकापुर के गाँधी स्टेडियम के विशेष सन्दर्भ में)” मेरे दिशा-निर्देशन में पूर्ण किया है।

प्रस्तुत लागु-शोध प्रबंध छात्र के घोषणा के अनुसार एवं हमारे विश्वास के आधार पर इसके स्वयं की मौलिक रचना हैं। जिसे उसे किसी अन्य विश्वविद्यालय/महाविद्यालय में किसी भी परीक्षा की उपाधि हेतु अब तक प्रस्तुत नहीं किया है।

स्थान – अम्बिकापुर

दिनांक –

शोध निर्देशिका



डॉ. राश्मि इंगले

(अतिथि व्याख्याता)

मानव विज्ञान विभाग

राजीव गाँधी शासकीय स्नातकोत्तर

महाविद्यालय

अम्बिकापुर, सरगुजा (छ.ग.)

## अनुक्रमाणिका

### पृष्ट संख्या

अध्याय : 1	01-20
1.1 प्रस्तावना	02-14
1.2 पूर्व में किये गये अध्ययन	15-18
1.3 शोध का उद्देश्य	19
1.4 शोध का महत्व	20
अध्याय : 2	21-35
2.1 अध्ययन क्षेत्र	
अध्याय : 3 अनुसंधान प्रविधि	36-45
3.1 तथ्यों का संकलन	
3.1.2 प्राथमिक तथ्यों का संकलन	
3.1.2 द्वितीयक तथ्यों का संकलन	
अध्याय : 4 परिणाम एवं विवेचना	46-61
4.1 खिलाड़ियों का मानव मिति मापन एवं बॉडी मास इंडेक्स	
अध्याय : 5	62-67
5.1 निष्कर्ष	
5.2 सन्दर्भ	

# छत्तीसगढ़ बच्चों में पोषण की स्थिति का अनुदेशन

(छत्तीसगढ़ राज्य के सरगुजा जिले के धौरपुर के विशेष संदर्भ में)

एम.एस.सी. चतुर्थ सेमेस्टर के पाठ्यक्रम के तहत प्रस्तुत



लघु-शोध प्रबंध

सत्र 2020–21

शोध निर्देशिका

डॉ० रशिम इंगले  
(अतिथि व्याख्याता)  
मानव विज्ञान विभाग

शोधकर्ता

मनोज कुमार दास  
रोल नं० – 21041704  
एम.एस.सी. चतुर्थ सेमेस्टर

राजीव गांधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय  
अम्बिकापुर, जिला—सरगुजा (छ.ग.)

## प्रमाण पत्र

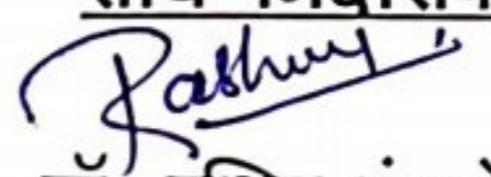
प्रमाणित किया जाता है की एम.एस.सी. चतुर्थ सेमेस्टर मानवविज्ञान विभाग के छात्र मनोज कुमार दास ने सत्र 2020-2021 में अपना लघु-शोध प्रबंध “पूर्व स्कूली बच्चों में पोषण की स्थिति का मुल्यांकन (छत्तीसगढ़ राज्य के सरगुजा जिले के धौरपुर के विशेष सन्दर्भ में)” मेरे दिशा-निर्देशन में पूर्ण किया है।

प्रस्तुत लागू-शोध प्रबंध छात्र के घोषणा के अनुसार एवं हमारे विश्वास के आधार पर इसके स्वयं की मौलिक रचना हैं। जिसे उसे किसी अन्य विश्वविद्यालय/महाविद्यालय में किसी भी परीक्षा की उपाधि हेतु अब तक प्रस्तुत नहीं किया है।

स्थान – अम्बिकापुर

दिनांक –

शोध निर्देशिका

  
डॉ. रश्मि इंगले

(अतिथि व्याख्याता)

मानव विज्ञान विभाग

राजीव गाँधी शासकीय स्नातकोत्तर

महाविद्यालय

अम्बिकापुर, सरगुजा(छ.ग.)

## अनुक्रमणिका

अध्याय :— 1

1. परिचय।
2. पूर्व में किया गया अध्ययन।
3. अध्ययन का उद्देश्य।
4. अध्ययन का महत्व।
5. अध्ययन में आयी समस्या
6. परिकल्पना

अध्याय :— 2

1. शोध विधि।
2. शोध सामग्री।
3. सांख्यिकीय गणना।

अध्याय :— 3

1. अध्ययन क्षेत्र।
2. राज्य परिचय।
3. जिला परिचय।

अध्याय :— 4 परिणाम एवं विश्लेषण।

अध्याय :— 5

1. निष्कर्ष एवं सुझाव।
2. संदर्भ सूची।
3. फोटो ग्राफ।

# अवस्था में होने वाली समस्याएं का अध्ययन

## हुक्म

(छत्तीसगढ़ राज्य के सूरजपुर जिले के भटगांव तहसील के बुंदिया ग्राम के विशेष सन्दर्भ में)

एम.एस.सी. (मानव शास्त्र) चतुर्थ सेमेस्टर के पाठ्यक्रम के तहत प्रस्तुत



## लघु-शोध प्रबंध

सत्र – 2020–21

शोध निर्देशिका

डॉ रश्मि इंगले  
अतिथि व्याख्याता

शोधकर्ता

भोला शंकर गुप्ता  
रोल नं. 21041701  
एम.एस.सी. चतुर्थ सेमेस्टर  
मानव शास्त्र

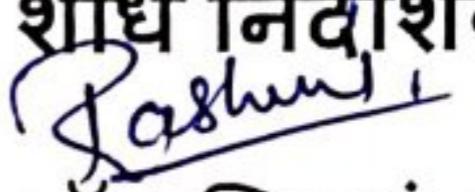
राजीव गांधी शासकीय (स्वशासी) स्नातकोत्तर महाविद्यालय  
अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छोगो)

## प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है की एम. एस. सी. चतुर्थ सेमेस्टर मानवविज्ञान विभाग के छात्र भोला शंकर गुप्ता ने सत्र 2020 - 2021 में अपना लघु-शोध प्रबंध "वृद्धा अवस्था में होने वाली समस्याएं के सन्दर्भ में)" मेरे दिशा-निर्देशन में पूर्ण किया हैं। प्रस्तुत लागु-शोध प्रबंध छात्र के घोषणा के अनुसार एवं हमारे विश्वास के आधार पर इसके स्वयं की मौलिक रचना है। जिसे उसे किसी अन्य विश्वविद्यालय/महाविद्यालय में किसी भी परीक्षा की उपाधि हेतु अब तक प्रस्तुत नहीं किया है।

स्थान - अम्बिकापुर

दिनांक -

शोध निर्देशिका  
  
डॉ. रश्मि इंगले

(अतिथि व्याख्याता)

मानव विज्ञान विभाग

राजीव गाँधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय

अम्बिकापुर, सरगुजा (छ.ग)

## अनुक्रमणिका

### अध्याय-1 प्रस्तावना

पृष्ठ संख्या

- 1.1 परिचय
- 1.2 पूर्व में किया गया अध्ययन
- 1.3 अध्ययन का उद्देश्य
- 1.4 अध्ययन का महत्व
- 1.5 अध्ययन में आई समस्या
- 1.6 परिकल्पना

### अध्याय-2

- 2.1 शोध सामग्री
- 2.2 शोध विधि

### अध्याय-3

- 3.1 अध्ययन क्षेत्र
- 3.2 राज्य परिचय
- 3.3 जिला परिचय
- 3.4 जनजाति परिचय

### अध्याय-4 परिणाम एवं विश्लेषण

### अध्याय-5

- 5.1 निष्कर्ष
- 5.2 सुझाव
- 5.3 संदर्भ सूचि
- 5.4 फोटोग्राफ्स

**“सरकारी एवं निजी स्कूल के शिक्षकों पर कोविड-19 का प्रभाव”**  
**(छत्तीसगढ़ राज्य के बलरामपुर जिले के कुसमी नगर के विशेष सन्दर्भ में )**



**लघु- शोध प्रबंध**

सत्र 2020-21

चतुर्थ सेमेस्टर , मानवशास्त्र

**शोध निर्देशिका**

डॉ. रश्मि इंगले

(अतिथि व्याख्याता)

मानव विज्ञान विभाग

राजीव गाँधी शासकीय स्नातकोत्तर

महाविद्यालय

अम्बिकापुर, सरगुजा(छ.ग.)

**शोधकर्ता**

नीरज कुमार गुप्ता

एम.एस.सी. चतुर्थ सेमेस्टर

**मानव विज्ञान विभाग**

**राजीव गाँधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय**

**अम्बिकापुर, जिला- सरगुजा (छ.ग.)**

## प्रमाण पत्र

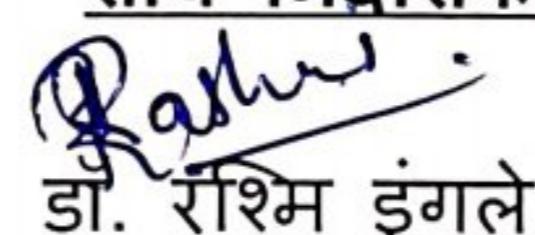
प्रमाणित किया जाता है की एम.एस.सी. चतुर्थ सेमेस्टर मानवविज्ञान विभाग के छात्र नीरज कुमार गुप्ता ने सत्र 2020-2021 में अपना लघु-शोध प्रबंध “सरकारी एवं निजी स्कूल के शिक्षकोंपर कोविड-19 का प्रभाव (छत्तीसगढ़ राज्य के बलरामपुर जिले के कुसमी नगर के विशेष सन्दर्भ में )” मेरे दिशा-निर्देशन में पूर्ण किया है।

प्रस्तुत लागु-शोध प्रबंध छात्र के घोषणा के अनुसार एवं हमारे विश्वास के आधार पर इसके स्वयं की मौलिक रचना हैं जिसे उसे किसी अन्य विश्वविद्यालय/महाविद्यालय में किसी भी परीक्षा की उपाधि हेतु अब तक प्रस्तुत नहीं किया है।

स्थान – अम्बिकापुर

दिनांक –

शोध निर्देशिका

  
डॉ. रॉश्म इंगले

(अतिथि व्याख्याता)

मानव विज्ञान विभाग

राजीव गाँधी शासकीय स्नातकोत्तर

महाविद्यालय

अम्बिकापुर, सरगुजा(छ.ग.)

# अध्यायीकरण

## अध्याय 1 शोध सामग्री एवं शोध प्रविधियां

- 1 कोरोना वायरस के लक्षण
- 2 कोरोना वायरस की भारत में स्थिति
- 3 कोरोना का प्रकोप

## अध्याय 2 कोरोना वायरस की उत्पत्ति व प्रभाव

- A) शोध सामग्री एवं शोध प्रविधि
- B )तथ्य संकलन के स्रोत एवं उपकरण

## अध्याय 3 अध्यन क्षेत्र एवं जनजाति परिचय

- 3.1 परिकल्पना
- 3.2 छत्तीसगढ़ परिचय
- 3.3 जनजातीय परिचय

## अध्याय 4 करोना का शिक्षक पर प्रभाव

- 4.1 वर्चुअल पढ़ाई बच्चों और टीचर्स के लिए नई प्रैक्टिस
- 4.2 आनलाइन कक्षा की प्रकृति में अध्यापक-छात्र के बीच अंतःक्रिया अस्वाभाविक और असहज
- 4.3 वार्तालाप

अध्याय 5

कोरोना का शिक्षा पर असर: ऑनलाइन शिक्षा समय की मांग  
तो ग्रामीण भारत की पहुंच से बहुत दूर

अध्याय 6

भारत में शिक्षा की वर्तमान समस्याएँ

अध्याय 7

कोविड-19 के दौर में ऑनलाइन शिक्षा की ज़रूरत  
और चुनौतियां

अध्याय 8 निष्कर्ष